



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2011

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

80 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 7 pages.
 2. Read the instruction to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your answer book.
-

भाग क

प्रश्न एक

१. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए। (३०)

भारत मिलाप

राजा दशरथ की तीन रानियों थीं। कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा। श्रीरामचन्द्र जी सभी माताओं को बराबर चाहते थे। एक दिन राजा दशरथ ने गुरु वशिष्ठ जी से कहा “गुरुवर ! अब मैं बूढ़ा हो गया हूँ। मेरे विचार से श्रीरामचन्द्र जी राजकाज सम्भालने के योग्य हो गए हैं। मैं उन्हें युवराज बनाना चाहता हूँ।” गुरु वशिष्ठ जी ने सहर्ष अनुमोदन किया। राजतिलक की तिथि निश्चित की गई।

“राम राजा बनेगा”। यह समाचार फैलने में देर न लगी। नगर भर में आनन्द छा गया। नगरवासी फूले नहीं समाते थे। मगर कैकेयी राजा से चिढ़ गई। उसने महाराज से दो वर माँगे। भरत के लिए राज्य और श्री रामचन्द्रजी को चौदह वर्ष के लिए वनवास। राजा ने कैकेयी को बहुतेरा समझाया कि श्री राम को वनवास मत भेजो। परन्तु वह एक न मानी। शोकातुर राजा दशरथ मूर्छित होकर गिर पड़े।

श्रीरामचन्द्र जी (कैकेयी से) हे माता ! पिताजी की बेहोशी का क्या कारण हैं।

कैकेयी- राम ! महाराज मुझसे दो वचन हार चुके हैं। मैंने भरत के लिए राज्य और तेरे लिए चौदह वर्ष का वनवास माँगा है।

श्रीरामचन्द्र जी — माता पिता की आज्ञा का पालन करना पुत्र का धर्म है। हे माता मैं कितना भाग्यवान हूँ कि मुझे वनवास और भैया भरत को राजगद्दी मिली है। मैं अभी वन जाने की तैयारी करता हूँ।

श्रीरामचन्द्रजी, सीता और लक्ष्मण वन जाने लगे तो सम्पूर्ण अयोध्या शोक के सागर में डूब गई। व्याकुल राजा दशरथ राम हे राम कहते हुए चल बसे। उस समय श्री भारत और शत्रुघ्न जी ननिहाल गए हुए थे। जब लौटे तो उन्हें पिता की मृत्यु तथा राम लक्ष्मण और सीता के वन गमन का समाचार मिला। पिता की अंत्येष्टि किया करके भरत श्रीरामचन्द्र जी से मिलने के लिए, वन की ओर चल पड़े। राम भरत मिलाप का दृश्य बड़ा रोमांचित था। भरत जी ने श्रीरामचन्द्रजी को अयोध्या लौटकर राज्य संभालने का बहुत आग्रह किया।

परन्तु श्रीरामचन्द्र जी बोले “हे भरत ! वनवास तो मुझे मिला है । स्वर्ग में पिताजी की आत्मा की शान्ति और माताजी के आदेश को पूरा करने के लिए मुझे वन में रहना ही होगा ।”
“भैया राम ! ऐसी बात है तो मुझे अपनी चरण पादुका दीजिए । मैं उसे राजसिंहासन पर रखकर राजकाज सम्भालूँगा । खड़ाऊँ लेकर भरतजी अयोध्या लौट आए । श्रीराम सीता और लक्ष्मण वन में आगे बढ़े ।

१.१ राजा दशरथ गुरु वशिष्ठ जी से क्या कहा । २

१.२ “शोक के सागर में डूबना ।” इस कहावत को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए । ६

१.३ निम्नलिखित वाक्य को भविष्यत् काल में लिखिए :

उस समय श्री भारत और शत्रुघ्न जी ननिहाल गए हुए थे । ४

१.४ अपने शब्दों में समझाइए । ६

१.४.१ फूले नहीं समाना ।

१.४.२ चल बसना

१.५ विलोल शब्द लिखिए । ८

१.५.१ भाग्यवान

१.५.२ मृत्यु

१.५.३ गमन

१.५.४ योग्य

१.६ समानार्थी शब्द लिखिए : ४

१.६.१ तिथि

१.६.२ आज्ञा

{३०}

भाग ख

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

(१०)

उस दिन बड़े सवेरे श्यामू की नींद खुली, तब उसने देखा --घर-भर में कुहराम मचा हुआ है । उसकी काकी-उमा-एक कम्बल पर नीचे से उपर तक एक कपड़ा ओढ़े हुए भूमि-शयन कर रही है ओर घर के सब लोग उसे घेरकर बड़े करुण स्वर में विलाप कर रहे हैं ।

लोग जब उमा को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे . तब श्यामू ने बड़ा उपद्रव मचाया । लोगों के हाथों से छूटकर वह उमा के ऊपर जा गिरा । बोला-काकी तो सो रही हैं । उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो ? मैं न ले जाने दूँगा ।

लोग बड़ी कठिनता से उसे हटा पाए । काकी के अग्नि-संस्कार में भी वह न जा सका । एक दासी राम-राम करके उसे घर पर ही सँभाले रही ।

यद्यपि बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गई है . परन्तु असत्य के आवरण में सत्य बहुत समय तक छिप न रह सका । आसपास के अन्य अबोध वालकों के मुँह से ही वह प्रकट हो गया । यह बात उससे छिपी न रह सकी कि काकी और कहीं नहीं , पर राम के यहाँ गई है । काकी के लिए कई दिन तक लगातार रोते —रोते उसका रुदन तो क्रमशः शान्त हो गया, परन्तु शोक शान्त न हो सका । जिस तरह वर्षा के अनन्तर एक ही दो दिन में पृथ्वी के ऊपर का पानी अगोचर हो जाता है, परन्तु बहुत भीतर तक उसकी आर्द्रता बहुत दिन तक बनी रहती है, उसी प्रकार वह शोक उसके अन्तस्तल में जाकर बस गया । वह प्रायः अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता ।

एक दिन उसने ऊपर एक पतंग उड़ती देखी । न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा । विश्वेश्वर के पास जाकर बोला-काका मुझे एक पतंग मँगा दो । अभी मँगा दो ।

पत्नी की मृत्यु के बाद से विश्वेश्वर बहुत अन्यमनस्क से रहते थे । “अच्छा . मँगा दूँगा” कहकर वे उदास भाव से बाहर चले गए ।

{१०}

भाग ग

प्रश्न ३

३.१ निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(२३)

१

फलू में भी लाभकारी

कासमधु®

आयुर्वेदिक डाक्टर
को बनाया हुआ
फार्मूला




खांसी, नजला, जुकाम के लिए
आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का योग

- कासमधु एल्कोहल रहित है। यह फेफड़ों व गले की नली में जमे यलम को पतला करके बाहर निकालता है।
- सूखी व बलगमी खांसी में तुरन्त राहत पहुँचाता है।
- यह नजला व जुकाम में भी गुणकारी है।
- बच्चों के लिए भी सुरक्षित है।

43 YEARS OF TRUST

स्वास्थ्य, सौंदर्य एवं यौवन का रक्षक

कामनी सुधा®

आँवला, हिना, ब्राह्मी के गुणों से युक्त

केश जीवन तेल®

प्रकृतिक हर्बल हेयर आयल

- बालों की झड़ना/दूटना रोकें, लम्बा, घना व काला बनायें
- पेयक तलों से भरपूर, विपरीतपाक रहित।
- सम स्यूके से रखा करें।
- बालों को मजबूती दें और रस्ती भी नियाए।

कामनी सुधा का उपयोग करके त्वचा को कभी, तब पसंद, कसर फिट और जख्मों में बड़े जलन, डककरी आना, थकान, कमजोरी एवं अन्य रोगों में लाभप्रद।

हार्मोनल असंतुलन व गर्भाशय संबंधी आयुर्वेदिक टोनिफ।

पाचन शक्ति तथा भूख बढ़ावे व शरीर दूर करें।

ISO 9001 : 2000 & G.M.P. Certified Co.

Mfd. by : **TULISON PHARMA®**, Delhi-7

Helpline : 011-23897278, 23694235 Fax : 011-23693500

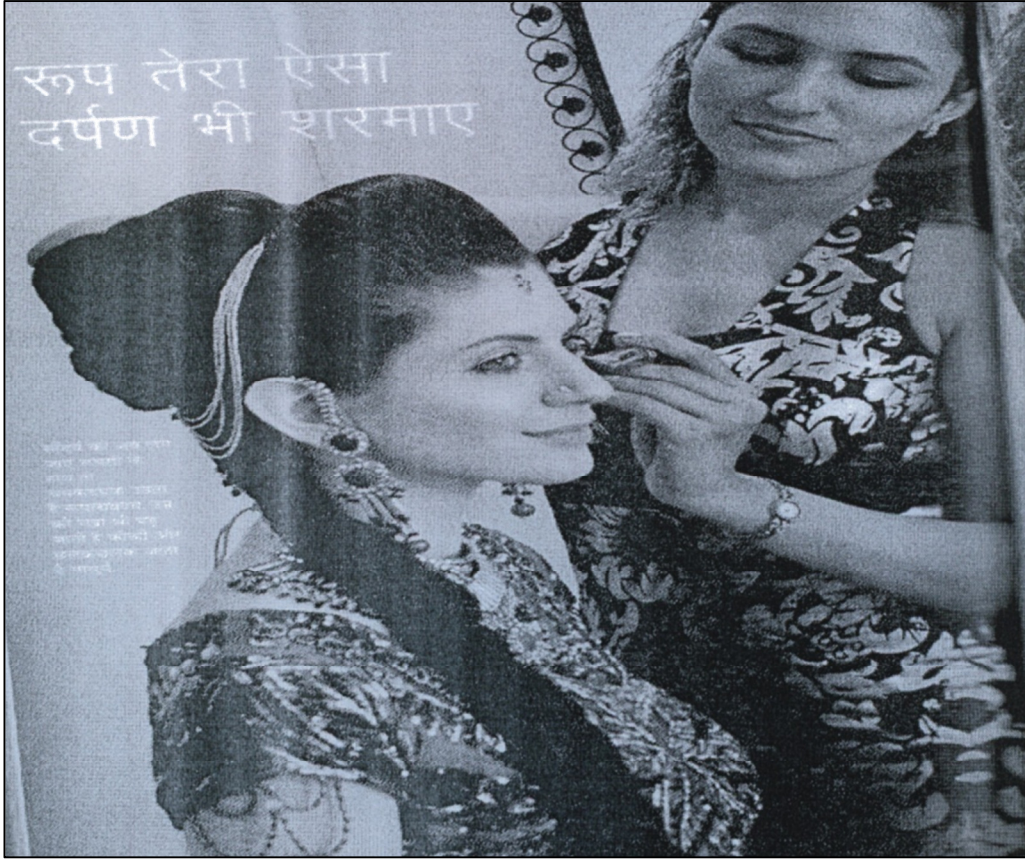
E-mail : tulisonpharma@kasmadhu.in Website : www.kasmadhu.in

आयुर्वेदिक उपचार : रोग तत्त जड़ों से हटाने के लिए। नर-नरिय दोनों के लिए। फलू में भी लाभकारी।

- ३.१ इस पन्ने पर क्या विज्ञापित गए है ? ४
- ३.२ विज्ञापन १ में परिवार का चित्र क्यों प्रयोग किया गया है ? ४
- ३.३ विज्ञापित २: “ स्वास्थ्य, सौंदर्य एवं यौवन का रक्षक ” का अर्थ बताइए । ४
- ३.४ विज्ञापन १: “ सूखी व बलगमी खांसी में तुरन्त राहत पहुँचाता है ” अपने शब्दों हिन्दी में समझाइए । ४
- ३.५ विज्ञापन २: “केश जीवन तेल ” इन शब्द को विज्ञापन २में क्या लाभ उठा सकते हैं । ४
- ३.६ इन विज्ञापन को देख कर आप में क्या भावना जाग्रत होते हैं । ३

प्रश्न ४

निम्नलिखित चित्र को ध्यान पूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए । (१७)



- ४.१ इस चित्र का शीर्षक क्या हो सकता है । आप का उत्तर का कारण दीजिए । ४
- ४.२ इस अवसर पर क्या क्या श्रृंगार हाते हैं? ४
- ४.३ इस चित्र को देखकर कौन सा भावना उत्पन्न होते हैं । उत्तर का कारण दीजिए? ४
- ४.४ इस चित्र किस को और क्या उपदेश देती है । ५

{४०}

[८०]

Total: 80 marks